MATTER RAISED WITH PERMISSION—Contd.

Another Militants Attack in Doda District of Jammu and Kashmir on 17th May, 2006

डा. मुरली मनोहर जोशी : उपसभापति जी,आज दोपहर में मैनें सदन मे डोडा के अंदर जो घटनाएं हुई हैं, उसके बारे में सरकार का ध्यान आकृष्टि किया था कि आज भी वहां ग्रनेड अटैक हुए है,जिसमें मृत्यु हुई और लोग घायल हुए हैं । परसों माननीय गृह मंत्री जी ने सदन मे हम लोगों को आश्वासन दिया था कि वहां सुरक्षा के तौर पर पूरी व्यवस्था की जा रही है और आज प्रातःकाल भी माननीय गृह मंत्री जी ने यह कहा कि पूरे तौर पर सुरक्षा की व्यवस्था है । तो एक प्रकार से हम आश्वस्त थे कि अब केन्द्र सरकार और राज्य सरकार, दोनों वहां की स्थिति पर पूरा नियंत्रण रखेंगे और अब ऐसी दुर्घटनाएं नहीं होंगी । मुझे बहुत खेद के साथ कहना पड़ता है कि जो आज भी घटना हुई । मै माननीय गृह मंत्री जी से यह गुजारिश करूंगा कि एक तो वे यह बताएं कि आज की स्थिति क्या है, ये घटना कैसे हुई हैं और दूसरा यह कि भविष्य में यह न हो, इसके लिए आप क्या कदम उठा रहे हैं ? क्या उसे आप डिस्टर्ब एरिया घोषित करके फौज के हवाले करेंगे ? आप क्या करेंगे ? केन्द्र क्या इसमें जिम्मेदारी लेगा, राज्य सरकार को क्या आदेश देगा और उन लोगों की सुरक्षा की क्या व्यवस्था करेगा ? वे लोग कहते है कि हम अपने घर कैसे जाएं, हम डोडा से अपने गांवों में कैसे जाएं ।। यह कहा गया था कि वहां विलेज बनाई गई हैं, मुझे बहुत खेद के साथ कहना पड़ता है कि बहुत से गांवों में वे अभी नहीं बनी हैं और जिन गांवों में बनाई गई थी, वे गांव नहीं हैं, जहां आवश्यकता है । मेरा आपसे अनुरोध है कि कम से कम आप आज सरकार की कुछ ऐसी नीति का उल्लेख करें जिससे कि ये घटनांए भविष्य में नहीं होंगी, कहीं तो इसका अंत करना चाहिए और डोडा पूरी तरह से सुरक्षित रहेगा, डोडा के आसपास के गांव सुरक्षित रहेंगे, लोग वहां से पलायन नहीं करेंगे । अन्यथा तो यह चैलेंज है सरकार के लिए- परसों आपने कहा, आज रक्षा मंत्री जी ने कहा और आंतकवादी आज आकर घटना कर गए । यह मैं समझता हूं कि देश के लिए भी और सरकार के लिए भी बहुत ही चिंतनीय विषय है और देश को चिंता है इस पर ।कहीं तो इन घटनाओं का अंत होना चाहिए ।

इसलिए मै आपसे अनुरोध कंरूगा कि इस संबध में आप कुछ कहें ।

श्री विनय कटियर (उत्तर प्रदेश) : सर, एक क्लोरिफिकेशन मैं भी पूछना चाहता हूं ।

श्री उपसभापति : नहीं , यह डिबेट नहीं है । उन्होनें परमिशन मांगा था, उनको परमिशन दिया गया । He only wants a piece of information.

श्री विनय कटियार : डा. जोशी जी ने बात कही,हम तो उसके साथ अपने को संबद्ध करते हुए एक बात कहना चाहते है कि माननीय रक्षा मंत्री जी ने आज सुबह एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि जम्मू-कश्मीर बिल्कुल स्वर्ग बन रहा है । क्या मैं इसको इसलिए स्वर्ग मानूं कि वहां रोज लोग मर रहे है और उसकी रक्षा नहीं हो पा रही है ?

श्री उपसभापति : यह क्लोरिफिकेशन होती है ।

श्री विनय कटियार : कब तक यह संहार होता रहेगा, कहीं न कहीं तो इसकी स्टॉप करेंगे ? हम केवल इतना ही कहना चाहते हैं कि यह रूकना चाहिए । इतनी बड़ी घटना ही गई, डोडा सेना के हवाले क्यों नहीं हो रहा है । हम चाहते हैं कि सेना के हवाले कब करेंगे ?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Home Minister, would you like to respond?

गृह मंत्री (श्री शिवराज वी .पाटिल) : श्रीमन्, मुझे जो मालूमात मिली है, हमने जम्मू-कश्मीर सरकार से मालमात ली है, उसके मुताबिक डोडा के पास आजु-बाजु के गांवों के कुछ लोग लाए गए थे औरउनकी संख्या दो-तीन सौ या इससे ज्यादा थी । उनको लाने के उद्देश्य थे, ऐसा बताया गया है, अब वह कहां तक सही है, यह जानकारी मिलने के बाद पता लगेगा । एक तो डोडा और उधमपुर में जो था, उसका विरोध करने के लिए वे लाए गए थे और दूसरी बात जो हमको बताई गई, वह यह है कि वहां पर आने के बाद जब उनको वापिस जाने के लिए कहा गया, तो उन्होनें कहा कि विलेज़ कमेटियां बनाई जा रही है और उन कमेटियों के अंदर हमको भी शरीक होना है, इसलिए हम यही रहना चाहेंगे । उसी समय वहां पर जो लोग थे, उनके ऊपर एक ग्रेनेड फैंका गया और उसे ग्रेनेड में, मुझे जो मालूमात दी गई है हमारी इन्फारमेंशन के सोर्स से, 10-15 लोग जख्मी हुए हैं, खुशकिस्मती से किसी जान का वहां पर नुकसान नहीं हुआ है,ऐसा मुझे बताया गया है और पुलिस, जो वहां पर है, वह इन्फारमेशन लेकर हमको दे रही है ।

एक बात हमको ध्यान में रखनी जरूरी है और वह यह है कि अगर हम उस इलाके मे जांए और उस इलाके को देखें तो हमको पता चलेगा कि वहां पर जहां सिक्युरिटी हमको प्रोवाइड करनी है, वह जगह किस प्रकार की है। वहां पर पहाड़ियां है और झाड़ियां भी है और वहां जो गांव बसे हुए हैं, वे जैसे प्लेन एरिया में गांव होते हैं, वैसे नहीं है – 400,500 या 1000 घर के गावं नहीं हैं, वे 4 घर के, 5 घर के गावं हैं, गांव है और पूरे पहाड़ पर फैले हुए गावं है । गांवों की संख्या वहां हजारों में हैं । यह जो कमेटियां बनाने का काम है,जिनके बारे में वहां के मुख्य मंत्री जी ने मुझे स्वंय बोला था कि यह कमेटियां बनाने का काम है, जिनके बारे में वहां के मुख्य मंत्री जी ने मुझे स्वंय बोला था कि हम कमेटियां ज्यादा बनाएंगे, कमेटियों के लोगों को ज्यादा तनख्वाह देंगे और हम हथियार भी दे रहे हैं, और जैसा किक कल यहां चर्चा केसमय बताया गया था कि बहुत अच्छे हथियार, AK 47 जैसें हथियार उनको देने चाहिए । इस संबध मे हमनें उन्हें कहा था कि आपको जैसी सुविधा हो, आप वैसा

कीजिए। जो कुछ भी आप करेंगे, हम आपको उसमे मदद देंगे। लेकिन वहां पर उस समय भी मैने कहा था कि आप जिनको हथियार दे रहे हैं, वे उन हथियारों का उपयोग लोगो की सुरक्षा के लिए करेंगे या किसी अन्य चीज़ के लिए करेंगे,इसके ऊपर भी आपको ध्यान रखना होगा। इसीलिए वहां पर यह कमेटियां बनाने का काम किया गया। न जाने उन्होनें कितनी कमेटियां बनाई है, 100 के करीब कमेटियां एक जगह पर है और ड़ेढ़ सौ के करीब दूसरी जगह पर है। एक जगह की कमेटियां मे सब मिलाकर 650 के करीब लोग है और दूसरी जगह पर 400 के करीब लोग है, इस तरह से वहां पर इस प्रकार की व्यवस्था हो रही है। लेकिन जम्मू-कश्मीर में हमें जो बद्किस्मती देखने को मिलती है, वह यह है कि छोटे-छोटे बच्चों को पकड़ा जा रहा है,उनके हाथों में ग्रेनेड दिया जा रहा है और उन्हें कहा जा रहा है कि चलते-चलते आप इसे कहीं फेंक दो और वे बच्चे ग्रेनेड फैक कर निकल वे बच्चे फिर गायब हो जाते हैं।

दूसरी बात जो वहां पर सिटोज़ मे हो रही है वह यह है कि जो मोटरें या कारें हैं,उनके अंदर बॉम्ब रखे जा रहे हैं और ऐसे बॉम्बस को वहां कहीं कर भी छोड़ दिया जाता है यह कार्य वहां पर हो रहा है, इसकी वजह से भी बहुत मुश्किल हो गयी है।वहां का जो क्षेत्र है, वहां पर जो मिलिट्री है, जब हम वहां पर गए थे ,त ब हमने इसी बात की चर्चा की थी कि मिलिट्री के जो स्टेशन्स वहां पर है, दो या तीन मील के फासले पर मिलिट्री के स्टेशन्स है, जो लोग वहां पर रहत हैं, वे अलग-अलग जगह पर रहते हैं। वे लोग पहाड़ के बीच में रहे हैं , न तो वे लोग ऊपर की तरफ हैं और न ही नीचे की तरफ हैं, वे बीच में रह रहे हैं ताकि अपना काम करे सकें।वहां के लोगों को कहना था कि बीच में रहने के बजाए जो पहाड़ की सबसे ज्यादा ऊचांई हैं,उस एपेक्स के ऊपर यदि वे जाकर रहें तो ज्यादा जगह पर देख सकते हैं। हमने उन्हें कहा कि आपकी बात बिल्कुल सही है, लेकिन जब हमने उन लोगों के साथ इस बात की चर्चा की तो उन्होनें हमें बताया कि ऊपर जाने के बाद अगर नीचे कुछ हो रहा है तो तुरन्त आना भी मुश्किल हो जाएगा। इसीलिए हमने इस बीच में रखा है। तब हमने उनसे कहा कि अगर आप ऊपर रहते हैं तो आपकी चारों तरफ देखने को मिलेगा, लेकिन यदि बीच में रहेंगे तब आप केवल एक ही तरफ से देखेंगे। यदि आने जाने के लिए कोई रास्ता बनाना है तो उसके लिए हम व्यवस्था कर देंगे। इस तरह से हम ये सब चीजें वहां पर करने जा रहे हैं।

वहां पर मिलिट्री कॉलम्स भी बढ़ाएं गए हैं रक्षा मंत्री भी वहां गए थे। आपकी जानकारी के लिए मैं यह बताना चाहूंगा कि जो हमारा इंटरनेशनल बॉर्डर हैं, उसके ऊपर बीएसएफ है वहां पर फौज नही हैं, आर्मी नही हैं, वहां पर बीएसएफ हैं और जो लाइन आफॅ कंट्रोल हैं, वहां पर आर्मी हैं। लाइन आफॅ कंट्रोल के नजदीक के जो एरियाज़ हैं, वहां पर आर्मी की संख्या बहुत अधिक परिमाण में नहीं हैं। जम्मू-कश्मीर में हमने जो व्यवस्था की है वह यह है कि वहां की सुरक्षा की जिम्मेदारी जम्मू एंव कश्मीर की पुलिस को दी है और उनकी मदद के लिए हमने बड़ी संख्या में पेरामिलिट्री फोसिर्ज भी

दी है ,जिसके अंदर बीएसएफ भी है, सीआरपीएफ भी है । और भी अधिक संख्या मे हमने उन्हें भेजा है ओर साथ ही साथ आर्मी के लोगों को भी उनकी मदद के लिए भेजा है । ये जो सारी फार्सिज़ हैं – आमी, पेरामिलिट्री फोर्सिज़ ओर स्टेट पुलिस, इनके अंदर को- आर्डिनेशन के लिए एक कमेटी बनाई हैं, जिसका नाम यूनिफाइड कमांड हैं । इस युनिफाइड कमांड मे आर्मी के आर्फिसज होते हैं,वहा के एरिया के कमांडर होत हैं, वहां की पुलिस के डीजी होते हैं और साथी ही हमारी पैरामिलिट्री फोर्सिज़ के लोग होते है इस कमेटी की चेयरमैनशिप उस राज्य के मुख्यमंत्री को करने के लिए कहा गया है और साथ ही उन्हें यह भी कहा गया है कि जब भी आपको आर्मी या पैरामिलिट्री फोर्सिज़ की या पुलिस की डिप्लांएमेंट करने की जरूरत हो, आप उसे करें ।

आज भी जब डिफेंस मिनिस्टर बोल रहे थे, तब मैं यही पर था और स्वंय भी मैनें बहुत बार बताया है कि वहां का जो आतंकवाद है, वह पूरी तरह से खत्म नही हुआ है । यह खत्म हो गया है, ऐसा न तो डिफेंस मिनिस्टर साहब ने यह कहा है कि और न ही मैनें ऐसा कहा है, वह खत्म अवश्य हुआ है और बहुत हद तक कम हुआ है । कभी-कभी ऐसा होता है कि अगर हम वहां पर जाकर राउंड टेबल कॉन्फरेंस करते हैं, तो कुछ लोग उसके खिलाफ चले जाते हैं । अगर इलेक्शन हुए हैं, रिजल्ट आ गए है तो उसके बारे मे कुछ लोगों को ऐसा लगता है कि यहां पर शतिं बनी हुई है और इतने लोग अगर वोट कर रहे है तो वह शतिं का जो माहौल बना हुआ है, ऐसा बताया जा रहा है कि वह गलत है , बताने के लिए वे करते है । और कभी-कभी तो ऐसा हो जाता है कि गर्मी का मौसम आ गया, बर्फ पिघल गई, उधर के जो लोग बैठे हुए थे वे आकर अंदर भी यह कर रह हैं । यह सारी चीजें उसके अंदर है । हमें बड़ा दुख है कि ऐसी चीजें हो रही है । हमने आपको यहां पर बताया और हमारी कोशिश यह है कि ऐसा नही होना चाहिए । बदकिस्मती से मैं आपको ...(**व्यवधान**)...

डा. मुरली मनोहर जोशी : महोदय, एक ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : जोशी जी, देखिए,we cannot convert it into a debate, देखिए हाऊस मे तीन घंटे ...(**व्यवधान**)...

श्री विनय कटियार : वहां घाटी में सब हिंदू मारे जांए ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : देखिए, यह बात हिन्दु-मूसलमान की नहीं है, आप क्यों बार-बार यह बात उठाते हैं । यह सवाल यह नहीं है । ...(**व्यवधान**)... ऐसी बात नही हैं । क्या नई डिबेट शुरू करना चाहते है ? ...(**व्यवधान**)... Let him finish …(Interruptions)…he is giving an exhaustive ansewer .

डा. मुरली मनोहर जोशी : मेरा एक छोटा सा सुझाव है इसमें । जो लोकलाइज्ड डोडा वाला प्रश्न है वह महत्वपूर्ण इस समय हो गया है । आपने जो सारे प्रदेश का, सारे राज्य का वर्णन किया, सारा

कुछ दिया वह आपने परसों भी बताया था । आपकी जो व्यवस्थाएं हो रही है वह अपने आप में हम उससे सहमत हैं, जो मदद हमसे जरूरत होगी वह हम करने को तैयार है । लेकिन यह जो डोडा मे लोग है, इस समय,उनको घर वापिस जाना है और वहां बैठे-बैठे भी उन पर आक्रमण हो रहा है ।

श्री शिवराज पाटिल : उसकी व्यवस्था कर देंगे ।

डा. मुरली मनोहर जोशी : उनको घर पहुंचाना,उनकी व्यवस्था करना और साथ में उनको हथियार देना ताकि उनकी जो विलेज कमेटी है वहां से सुरक्षित रह सकें । अब तो एक्सपोज हो गए है । इसमें मुख्य सवाल यह है कि उनके जीवन की सुरक्षा हो, यह बुनियादी बात है ।

SHRISHIVRAJ VISHWANATH PAUL I will explain it. *...(Interruptions)...*

श्री विनय कटियार : इसमें मेरा आग्रह है कि जो लोग धरना दे रहे हैं,प्रर्दशन कर रहे हैं,लगातार ...(**व्यवधान**)....

श्री शिवराज पाटिल : उनको बोलिए न कि यह मत करो ।

श्री विनय कटियार : उन पर लगातार हथगोला फैंकना, अगर कोई जूलूस जा रहा है, देखिए ऐसी दो घटनांए हो गई है ...(**व्यवधान**)....

SHRI JANARDHANA POOJARY (Karnataka): Sir, we should also be allowed to speak.

श्री विनय कटियार : एक छोटी सी बात को लेकर कल दिन भर बहस कराई ...(**व्यवधान**)....मैं वही कह रहा हू, आप पर कोई आरोप-प्रत्यारोप नहीं कर रहा हूं । जो समस्या है उसमें भारत सरकार आप स्वंय उसके प्रति चिंतित है । हम इतना ही कहना चाहते है कि वहां जिस प्रकार का धरना, प्रर्दशन हो रहा है क्या वहां की सरकार या हम इतने असहाय हो गए है कि सच में आज हम उनकी सुरक्षा नहीं कर पा रहे हैं और कोई बड़ी भारी संख्या में लोग धरना नहीं दे रहे हैं , कोई वहां पर पांच सौ लोग जा रहे हैं, कोई दो सौ लोग जा रहे हैं वे अपना प्रोटेस्ट कर रहे हैं और यह भी कह रहे है, सद्भाव के साथ मैं कह रहा हूं कि वहां सभी वर्गौं कें, धर्मों के लोग है वहां और उसमें कम से कम इतनी तो व्यवस्था कराइए, उनकी रक्षा तो हो सकें ।

श्री शिवराज वी.पाटिल : मैं आपको बतलाता हूं । श्रीमन्, मैं यह बोलना चाहूंगा कि यह जो मामला है आपने बड़ी संजीदगी से उठाया है और जिस स्प्रिट में उठाया है उस स्प्रिट में मैं उसका जवाब देने की कोशिश कर रहा हूं । उस पर किसी प्रकार से भी राजकीय रंग नहीं चढ़ना चाहिए । मैं यह बताना चाहूंगा कि वहां पर लोग जमा हुए है, वे वापिस जाना चाहते हैं । उनको वापिस ले जाने का हम पूरा इंतजाम कर देंगे । मगर मैं यह भी उसके साथ-साथ कहूंगा कि डोडा मे कुछ हुआ , दूसरी

जगह पर कुछ हुआ और अगर इसके लिए प्रदर्शन चलते रहे तो लॉ एंड आर्डर की सिचुएशन मे मदद होने वाली है या तकलीफ होने वाली है, इसको भी ध्यान में रखें। मै आपको यहां आश्वासन देता हूं कि जो लोग जमा हुए है उनको वापिस पहुंचाने का काम सरकार की तरफ से हम जरूर करवा देंगे। मगर मैं आपसे यहां पर भी विनती करना चाहूंगा कि यह प्रदर्शन करके यह मिटने वाली बात नहीं हैं, इसको आपने किया,वह आपको अधिकार भी है और अब इसके बाद इसको रोकने का भी काम कीजिए। अब अगर कहीं पर भी ऐसी चीज होती है तो उसके ऊपर प्रदर्शन करने से कुछ नहीं होता, उड़ीसा मे हुआ ...(**व्यवधान**)....

श्री विनय कटियार : धरना तो समाप्त कर दिया गया।

श्री शिवराज वी. पाटिल : वे लोग धरने के लिए ही लाए गए थे वहां पर मर।

डा. मुरली मनोहर जोशी : जो धरने के लिए आए थे, वे वहां से इसलिए वापिस नहीं जा पाए कि उनकी सुरक्षा को प्रबंध नहीं था। वे उसी के कारण से रूके हुए थे। बाकी वहां धरना तो समाप्त हो गया।

श्री शिवराज वी. पाटिल : वह मैं करवा दूंगा। वह कह रहे थे कि हम यहां रहना चाहेगें,कमेटी में जाना चाहेंगे और हथियार लेना चाहिए एके-47वे कह रहे है कि आपने इतने एके-47 टेरोस्टि से जमा किए है तो हमको बांटिए। हम वह देने के लिए तैयार है। मगर उसके साथ-साथ जब हम देने के लिए तैयार है, सरकार देने के लिए तैयार है,मगर केन्द्र सरकार नहीं, वहां की सरकार ही कर रही है। हम देने के लिए तैयार है, मुझको कुछ सम्मानित सदस्यों ने जरूर कहा और उनकी बात में बहुत जोर है कि दे रहे हैं, तो उसको दे रहे हैं, इसका भी ध्यान रखिएगा ...।

डा. मुरली मनोहर जोशी : उन हथियारों का किसी भी तरह से दुरूपयोग नहीं हो।

श्री शिवराज पाटिल : हां।

श्री शिवराज वी.पाटिल : उनका उपयोग हमारे ही देश के विरूद्ध न हो, इसकी सावधानी रखी जानी चाहिए, इसको हम मानते हैं, लेकिन जो लोग वहां इस समय है, उनमें से कोई अगर ऐसा है कि जिस पर दुरूपयोग करने की संभावना है, तो उसको सरकार को देखना चाहिए।

श्री शिवराज वी.पाटिल : उसी की जांच कर रह हैं।

डा. मुरली मनोहर जोशी : लेकिन जो वहां असुरक्षित पड़े हुए है,उनकी सुरक्षा होनी चाहिए।

डा. मुरली मनोहर जोशी : हां, उनका मैं इंतजाम करवा दूंगा। दूसरी तरफ कहीं भी घटना घटी है, तो हम उसको पॉलिटिकली नहीं ले रहे हैं ...।

डा. मुरली मनोहर जोशी : हम भी नहीं ले रहे है।

श्री शिवराज वी.पाटिल : यह कहीं भी हो, यू0पी0 मे हो या उड़ीसा में हो या छत्तीसगढ़ में हो, हमारा उससे कोई पॉलिटिकल गेन करने का उद्देश्य नहीं है ।कल छत्तीसगढ में माइन्स ब्लास्ट में लोग मारे गये, उसको हम उठा रहे हैं, लेकिन पॉलिटिकली नहीं उठा रहे है ।वह नेशलन इश्यु है, सेक्युरिटी का इश्यू है । ...(**व्यवधान**)...

डा. मुरली मनोहर जोशी : वह तो जहां कहीं भी है, उसमे हम सरकार का साथ देंगे । सारे के सारे उग्रवाद को समाप्त करने के लिए हमारी पार्टी की तरफ से सरकार को सहयोग होगा ।

श्री शिवराज वी. पाटिल : आप कह रहे है, डेफिनेटली ।

STATEMENT BY MINISTER

THE STATUS OF IMPLEMENTATION OF RECOMMENDATIONS CONTAINED IN 2ND AND 10TH REPORTS OF THE DEPARTMENT-RELATED PARLIAMENTARY STANDINGCOMMITTEE ON RURAL DEVELOPMENT

ग्रामीण विकास मंत्री (श्री रधुवंश प्रसाद सिंह) : महोदय, मै विभाग संबधित ग्रमीण विकास संबधी संसदीय स्थायी समिति के दूसरे और दसवें प्रतिवेदनों में अतंर्विष्ट सिफारिशों के कार्यान्वयन की स्थिति के संबध में वक्तव्य सदन के पटल पर रखता हूं ।

MATTER RAISED WITH PERMISSION—Contd.

DEATHS OF LABOURS FROM CUDDAPAH DISTRICT OF ANDHRA PRADESH IN A FIRE ACCIDENT IN KUWAIT

SHRI C. RAMACHANDRAIAH (Andhra Pradesh): Sir, I wish to draw the attention of the Government to a fire accident which took place at Kaitain in Kuwait As per the Press reports, 11 persons died and all of them are from my native place, from Cuddapah District of Andhra Pradesh. They went there for some labour work. They are the sole breadwinners of their families. Unfortunately, they died in a fire accident. Till now their mortal remains have not been brought to their places and their relatives